

सम्पत्ति का उपभोग

द्वय के त्याग से सबका सुदुपभोग

अधिक महत्त्वपूर्ण है । 'सादा

जीवन और उच्च विचार'

अधिक कृष्टि से भी

सर्वोत्तम है

४

लेखक

र. डूबे, एम. ए., एल्-एल्. बी.

मुरलीधर जोशी, एम. ए.

३३६.४७
दया/स